ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४२
दिनांक– शुक्रवार, ०२ जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39.9 एवं 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 67 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 30 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 11.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.6 एवं दोपहर में 42.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03–07 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पिछले कई दिनों से उत्तर बिहार के अनेक जिलों में हीट बेव की स्थिति बनी हुई। जिससे अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रह रही है। फिलहाल ऐसी स्थिति (प्रचंड ताप प्रवाह) अगले 4–5 दिनों तक और बने रहने की सम्भावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जिसके कारण अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान 42–43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकती है। न्यूनतम तापमान में वृद्धि हो सकती है और यह 25–27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 13 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- जिन किसानों के पास सिचाई की व्यस्था उपलब्ध है वे किसान धान का बिचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु कर सकते है। जिन किसानों के पास सिचाई की सुविधा नहीं है वे किसान भाई उच्च तापमान एवं लू की स्थिति को देखते हुए बीज स्थली में बिछड़ा गिराने में थोड़ी प्रतीक्षा करें।
- खेतो में नमी की कमी होने पर लत्तीदार सब्जियों में 3–5 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें। किसान भाई सब्जियों की खेतों में नमी बनाये रखें। नेत्रजन (लगभग 25 ग्राम) की शेष बची मात्रा का आधा भाग उपरिवेशन के रुप में पौध से एक फीट की गोलाई में प्रयोग करें।
- खरीफ मक्का की खेत में उचित नमी बनाकर बुआई करें। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची खेतों को जुताई कर खाद और उर्वरक का उपयोग करें। प्रति पौधे के लिए 60 से 80 किलोग्राम कंपोस्ट या गोबर की खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश और 50 ग्राम सुहागा का मिश्रण बिछाकर मिट्टी में मिला दें।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30–35 ग्राम जिसमें 3 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 रखे। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। ढ़ैचा के लिए बीज दर 25 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। मूंग, उरद की तुड़ाई के बाद हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- पशुओं के चारे के लिए ज्वार, बाजरा और मक्का, मेथ, लोबिया और राईस बीन की बुआई करने से चारे की गुणवत्ता बढ़कर दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं को एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) और एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाने के लिए पशुओं को टीके देने की सलाह दी जाती है।

आज का अधिकतम तापमानः 39.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 21.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)